द्वितीय संस्करण

वर्ष 2023-24

कौशल उड़ान

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

वसुधैव कुटुम्बकम्

अनुक्रमणिका

1. संदेश

(क) क्षेत्रीय निदेशक

(ख) प्राचार्य

(ग) संपादक हिंदी अधिकारी

2. प्रस्तावना

(क) निदेशालय

(ख) संस्थान

3. छात्रावास

4.विभाग एवं पाठ्यक्रम

(क) शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना

(ख) शिल्पकार प्रशिक्षण योजना

(ग) एडवांस डिप्लोमा

5. उपलब्धियाँ

(क) सफलता की कहानियाँ

6. रचनाएँ

(क) कविता

(ख) तकनीकी लेख

7. गतिविधियाँ

(क) खेल

(ख) स्वच्छता ही सेवा

(ग) दीक्षांत समारोह

(घ) एकता शपथ

(ड़) इग्नू जागरूकता कार्यक्रम

(च) महिला आत्मसुरक्षा कार्यक्रम

(छ) जनजातीय गौरव दिवस जागरूकता कार्यक्रम

(ज) पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

(झ) रोजगार मेला वर्चुअल कार्यक्रम

(ञ) अल्पावधि कार्यक्रम (कंप्यूटर नेटवर्किंग एंड सिक्योरिटी)

(ट) वर्ल्ड स्किल प्रतियोगिता जागरूकता कार्यक्रम

(ठ) निबंध लेखन प्रतियोगिता

(ड) उद्यमिता विकास जागरूकता कार्यक्रम

(ढ) साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

(ण) जेनरेटिव ए आई जागरूकता कार्यक्रम

(त) एक दिवसीय भ्रमण (इसरो)

(थ) औद्योगिक दौरा

(द) अल्पावधि कार्यक्रम (मल्टीमीडिया एंड वेब पेज डिज़ाइन)

(ध) अल्पावधि कार्यक्रम (कंप्यूटर नेटवर्क एंड मेंटेनेंस)

(न) हिंदी कार्यशाला

(प) छात्रावास उद्घाटन समारोह

(फ) अल्पावधि कार्यक्रम (बेसिक पी०एच०पी०)

(ब) इसरो प्रशंसा पत्र

"हिंदी चिरकाल से ऐसी ना रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का साकार नहीं किया।"

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

संदेश...

क्षेत्रीय निदेशक

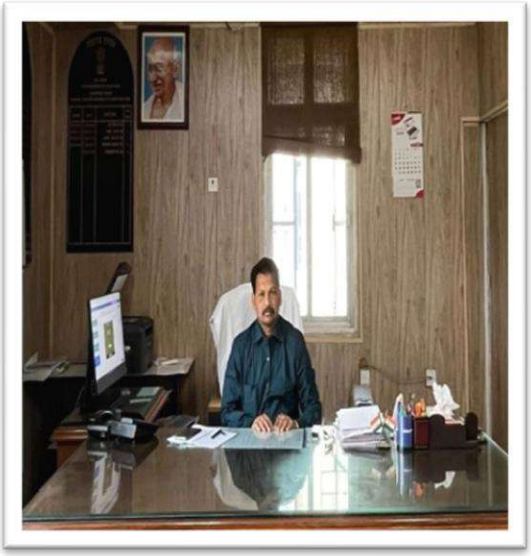

श्री रवि चिलुकोटि
क्षेत्रीय निदेशक,
आर.डी.एस.डी.ई.उत्तराखंड

यह संस्थान देश भर में कौशल विकास के सभी प्रयासों का समन्वय करने, कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को दूर करने, व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे का निर्माण करने, कौशल उन्नयन करने, न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए, बल्कि सृजित की जाने वाली नौकरियों के लिए भी नए कौशलों और नवीन सोच का निर्माण करने के लिए उत्तरदायी है।

संस्थान का उद्देश्य 'कुशल भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए गति और उच्च मानकों के साथ बड़े पैमाने पर कुशल बनाना है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एन०एस०टी०आई०), देहरादून सरकार **द्वारा** स्थापित किया गया है। भारत के उद्योगों के कुशल प्रशिक्षण की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए यह संस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क मेंटीनेंस (सी०एच०एन०एम०), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (सी०एस०ए०) और इलेक्ट्रीशियन का उच्च गुणवत्ता और दक्षता का प्राभावकारी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

मैं हिंदी पत्रिका के **द्वितीय** संस्करण प्रकाशन के अवसर पर सभी संकाय प्रभारियों व प्रशिक्षणार्थीयो को शुभकामनायें देता हूँ ।

प्राचार्य की कलाम से.....

श्री ज्ञान प्रकाश चौरसिया
उप निदेशक/कार्यालयाध्यक्ष
रा.कौ.प्र.सं.देहारादून

उत्कृष्टता, समानता और समावेशिता संस्थान के संस्थापक सिद्धांत हैं। यह उत्कृष्ट संस्थान प्रशिक्षण महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त देश के उत्कृष्ट संस्थानों में से हैं, जो देश में एक शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में संस्थान समुदाय के समर्पण का प्रमाण है जो कि समग्र और सर्वव्यापी दृष्टि से प्रेरित है। संस्थान यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेगा कि आपका भविष्य उद्देश्य से भरा हो और आपको जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करे। हमारी शिक्षा पद्धति संतुलन के दर्शन और किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को समान रूप से विकसित करने की आवश्यकता से प्रभावित है। तद्नुसार, अपने प्रशिक्षणार्थियों में हम कक्षा में और उसके बाहर सत्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता के मूल्यों को विकसित करने का प्रयास करते हैं।

एक संस्था के तौर पर हम उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं। तकनीकी प्रशिक्षण क्षेत्र के विषयों में हम उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरे हैं। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहारादून कौशल भारत के मिशन के तत्वाधान में, हमारे प्रशिक्षणार्थी निकाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के साथ-साथ वे राष्ट्रीय दायित्व पूर्ण के लिए कौशल प्रशिक्षण में लगे हुए है। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और शैक्षणिक वातावरण में अपनी उच्च सोच, तर्क लेखन और कौशल क्षमताओं को विकसित करने का अवसर दिया जाता है। हम अपने कौशल विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को अनुदेशक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। हमारे संस्थान का उद्देश्य, ऐसे युवा कौशल शक्ति को तैयार करना है जो अपने वातावरण के साथ तालमेल बैठाकर सामाजिक परिवेश के प्रति संवेदनशील, अनुशासित और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हो सकें। एक संस्थान के रूप में, हम अनुशासन पर आधारित ज्ञान, कौशल, व्यवहार और समानुभूति के साथ सफलता पर जोर देना साथ ही यह सुनिश्चित करना कि ज्ञान, कौशल के साथ उज्जवल भविष्य की तरफ प्रशिक्षणार्थियों की यात्रा तेज और आनंद से परिपूर्ण हो।

मैं हिंदी पत्रिका के द्वितीय संस्करण प्रकाशन के अवसर पर सभी संकाय प्रभारियों व प्रशिक्षणार्थीयो को शुभकामनायें देता हूँ।

धन्यवाद

संपादक हिंदी अधिकारी

सम्मानित पाठकों....

भाषा हमारे दैनिक जीवन के हर एक पहलू और विचारों के आदान-प्रदान के लिए अत्यावश्यक है। भाषा हमारे विचारों एवं भावनाओं के अतिरिक्त समाज के मूल बोध को ही अभिव्यक्त नहीं करती बल्कि समाज की बुनियादी परिचय को भी अभिव्यक्त करती है। आज हिंदी अधिकांश भारतियों के अभिव्यक्ति का माध्यम है। देश वासियों की आत्माभिव्यक्ति हिंदी के माध्यम से ही पूर्ण होती है। इसीलिए भारतवर्ष में हिंदी का अपना अलग ही महत्त्व है। संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी है ।

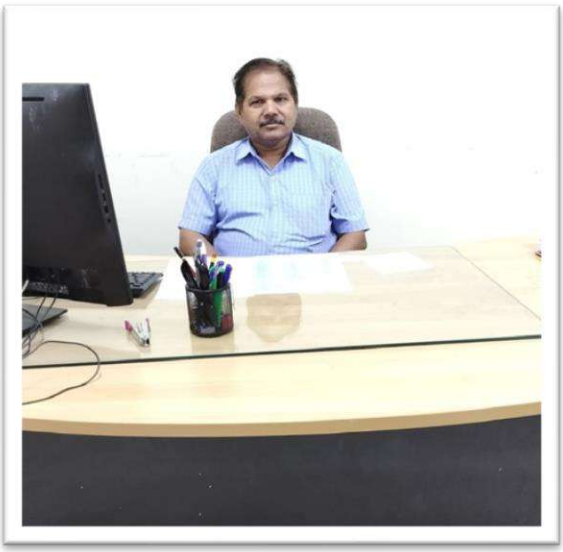

श्री नरेश कुमार
हिंदी अधिकारी, रा.कौ.प्र.सं.देहारादून

हमें हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सुचारु कार्यान्वयन की दिशा में प्रतिज्ञाबद्ध होकर अग्रसर होना है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि “कौशल उड़ान”,पत्रिका कार्यालय में कार्यरत कार्मचारियों में हिंदी के प्रति अधिकाधिक रुचि उत्पन्न करने में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इससे सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी भावनाओं को हिंदी में अभिव्यक्त कर पाने का सुअवसर प्राप्त होगा और कार्यालयीन काम काज को हिंदी में करने की दिशा में उन्हें नवीन ताजगी और उत्साह प्राप्त होगा। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए "राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून" की पत्रिका का यह **द्वितीय** अंक कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अन्तर्गत पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है।

यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि मेरे कार्यकाल में “कौशल उड़ान” **द्वितीय** ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका निरंतर चेतनामयी एवं सार्थक बनी रहे, इसके लिए हमें पाठकों के सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी ताकि हम आपकी रुचि एवं अपेक्षाओं के अनुरूप इसकी प्रकाशन यात्रा को जारी रख सकें।

सुझावों की अपेक्षा में.....

“मनुष्य के लिए कठिनाइयों का होना बहुत जरूरी हैं क्योकि कठिनाइयों के बिना सफलता का आनंद नहीं लिया जा सकता।”

एपीजे अब्दुल कलाम

निदेशालय

व्यावसायिक प्रशिक्षण, जिसमें महिलाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण भी शामिल है, से संबंधित कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विकास तथा समन्वय हेतु कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डी०जी०टी०) एक शीर्षस्थ संगठन है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राज्य सरकारों या संघराज्य क्षेत्रों के प्रशासनों के प्रशासनिक तथा वित्तीय नियंत्रणाधीन हैं। डी०जी०टी० भी अपने सीधे नियंत्रण में क्षेत्रीय संस्थानों के माध्यम से कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाएं संचालित करता है। राष्ट्रीय स्तर पर इन कार्यक्रमों का विस्तार करने की जिम्मेदारी विशेषतः सामान्य नीतियों, सामान्य मानक तथा प्रक्रियाओं, अनुदेशकों के प्रशिक्षण तथा व्यवसाय परीक्षण संबंधी क्षेत्र में, डी०जी०टी० की है। परन्तु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की दैनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकारो/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनो की है।

डीजीटी के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

- व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु समग्र नीतियां, मानदंड तथा मानक तैयार करना।
- शिल्पकारों तथा शिल्प अनुदेशकों के मामले में प्रशिक्षण के प्रशिक्षण सुविधाओं में विविधता लाना, उन्हें अद्यतन करना तथा उनका विस्तार करना।
- विशेष रूप से स्थापित प्रशिक्षण संस्थानों पर विशिष्ट प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की व्यवस्था तथा आयोजन करना।
- शिक्षुता अधिनियम 1961 के अंतर्गत शिक्षुओं के प्रशिक्षण का पैमाना लागू करना उसका नियमन तथा विस्तार करना
- महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना
- व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा रोजगार परामर्श प्रदान करना।

- अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा दिव्यांगों की वेतन रोजगार तथा स्व रोजगार हेतु सामर्थ्य बढ़ाने में सहायता करना।

कुशल शिल्पकारों के प्रशिक्षण के लिए **शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सी०टी०एस०)** सरकारी तथा निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआइज), के माध्यम से चलायी जाती है। जो राज्य सरकारों अथवा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रशासनिक तथा वित्तीय नियंत्रणाधीन हैं। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की अवधि 6 महिने से 2 वर्ष तक भिन्न-भिन्न है, एनएसक्यूएफ की 138 व्यवसायों में पाठ्यक्रमों की अनुपालना है जिनमें 74 इंजीनियरिंग व्यावसाय, 59 गैर-इंजीनियरिंग क्षेत्र के व्यवसाय हैं तथा पांच पाठ्यक्रम विकलांगों (पीडब्ल्यूडी)/दिव्यांगों के लिए हैं। इस समय 14,491 आईटीआइज (सरकारी तथा निजी दोनों) में 23.15 लाख व्यक्ति प्रशिक्षण ले रहे हैं।
आईटीआई प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कौशल की पूर्णता के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एटीएस) के माध्यम से कार्यस्थल पर प्रशिक्षण के रूप में भी व्यवस्था उपलब्ध है। इस योजना के प्रधान उद्देश्यों में एक उद्देश्य उद्योग में – जहां वास्तव में शिक्षुता प्रशिक्षण दिया जाता है, उपलब्ध अवसंरचनात्मक सुविधाओं का इष्टतम उपयोग भी है जिससे उद्योग की कुशल जनशक्ति की मांग पूरी होती है।

शिल्पकार अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सी०आई०टी०एस०) के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशक/प्रशिक्षक बनने के इच्छुक व्यक्तियों को कौशल तथा प्रशिक्षण प्रणाली दोनों में एक व्यापक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके पीछे दृष्टिकोण ये है कि उनके कौशल तथा क्षमताओं को विकसित कर उन्हें अपने छात्रों को अद्यतन कौशल अन्तरित करने की तकनीक से अवगत कराया जाए। यह योजना देशभर में 33 स्थानों पर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआइज) के माध्यम से चलाई जाती है।
इसके अतिरिक्त, उद्योग सम्बन्ध सुदृढ़ बनाने तथा उद्योग संगत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण महानिदेशालय ने दोहरी प्रणाली प्रशिक्षण (डीएसटी) शुरू की है जो ऐसा मॉडल है जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को उनके प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य औद्योगिक ज्ञान मुहैय्या कराने के लिए आईटीआइज को बहु-उद्योग भागीदारों के साथ सम्पर्क साधने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अतः उनके कौशल प्रशिक्षण का कुछ हिस्सा औद्योगिक माहौल में सम्पन्न होता है। परम्परागत, उद्योग संगत प्रशिक्षण तथा उद्योग परिसरों में ही सम्पूर्ण प्रशिक्षण दिए जाने वाले फ्लेक्सी-एमओयू मॉडल की भी शुरूआत की गयी है ताकि तैयार कौशलन कार्यक्रमों के सृजन की गुंजाइश रहे।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून की स्थापना 1982 में तत्कालीन रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजी&टी), श्रम और रोजगार मंत्रालय,भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा की गई थी। संस्थान का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में उत्तरी भारत में उद्योगों की जरूरतों को पूरा करना है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून का मुख्य उद्देश्य जो अब कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के आधीन है,व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और उद्यमिता पर है।

इस संस्थान को इलेक्ट्रीशियनऔर वायरमैन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क रखरखाव जैसे चार ट्रेडों में क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम (सीआईटीएस)के तहत हमारे देश में विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की भारी मांग को पूरा करने के लिए व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर तैयार करने का मिशन सौंपा गया है।कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क रखरखाव (सीएचएनएम) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (सी०एस०ए०),और आईटी क्षेत्र के तहत आई०टी०आई० प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए विश्व बैंक की सहायता से व्हीटीआईपी के तहत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में अनन्त किया गया है। संस्थान स्नातक बी.टेक, एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स),बी.एस.सी. (आई.टी),एम.एस.सी.(आई.टी) और डिप्लोमा छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन/व्यावहारिक/औद्योगिक प्रशिक्षण भी आयोजित करता है। पाठ्यक्रम गहन कौशल के माध्यम से कौशल उन्नयन के लिए आयोजित किए जाते है।

वर्तमान में संस्थान द्वारा शिल्प प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के अंतर्गत (आई.ओ.टी.) स्मार्ट एग्रीकल्चर, सोलर तकनीशियन (इलेक्ट्रीशियन) तथा स्मार्ट हेल्थ केयर ट्रेड में प्रशिक्षण कार्यक्रम गुणवत्ता के साथ चलाए जा रहे है। आई.बी.एम. कम्पनी के सहयोग से आईटी नेटवर्किंग और क्लाउड कम्प्यूटिंग में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम वर्ष 2019 में शुरू किया गया। अतः प्रशिक्षण

की गुणवत्ता और आधुनिकीकरण की मांग को पूरा करने के लिए संस्थान की प्रशिक्षण क्षमता में उन्नयन के प्रयास लगातार किए जा रहे है जिससे वर्तमान में विद्यमान प्रशिक्षण प्रणाली को गतिशीलता और सुदृढ़ता प्रदान करके चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए समक्ष बनाया जा सके जो आकांक्षी वर्ग की प्रशिक्षण आकांक्षाओं को पूरा करने में सफल हो।

इस संस्थान की क्षेत्र सीमा 16.95 एकड़ है। इसमें से 16.45 एकड़ भूमि पर प्रशासनिक अनुभाग,प्रशिक्षण अनुभाग,छात्रावास,कार्मिक आवास,विद्युत सब स्टेशन,पम्प हाउस,अण्डर वाटर टैंक,ओपन जिम,पार्क,लीची का बगीचा,व सड़क आदि बनाए गई है। उद्योगों में प्रचलित नवीनतम प्रौद्योगिकी केन्द्रित आधुनिक उपकरण,औजार तथा मशीनें,सभी शिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं की अभिकल्पना व रुपरेखा को वर्तमान व भविष्य की प्रशिक्षण संभावनाओं का अवलोकन करके आरेखित किया गया है। संस्थान में कैन्टीन और छात्रावास की सुविधा भी आधुनिक स्तर के समरूप है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून, ग्रीन पार्क,निरंजनपुर, देहरादून में स्वच्छ पर्यावरण युक्त परिवेश में स्तिथ है। संस्थान देहरादून- जौलीग्रांट एयरपोर्ट से लगभग 25 किलोमीटर, देहरादून रेलवे स्टेशन से 5 किलोमीटर तथा अन्तराज्जीय बस अड्डे से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। नजदीकी प्रसिद्ध जगह मेन सब्जी मण्डी है। रेलवे स्टेशन व आई.एस.बी.टी. बस स्टैंड से ग्रीन पार्क तक ऑटो/रूट न० 5 के विक्रम या नगर बस सेवा/ऑटो आदि से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहारादून में एसी क्लास रूम, नवीनतम ऑडियो विजुअल एड्स उपकरण हैं। यह संस्थान हिमालय की गोद में पर्यावरण अनुकूल वातावरण में स्थित है।

तकनीकी क्षेत्र में युवा पीढ़ी के सुनहरे भविष्य की संभावनाओं के निर्माण हेतु शिक्षाविदों और उद्योगों के दक्षता प्राप्ति की अवधारणा को एकीकृत करके उच्च गुणवत्त एवं उत्पादकता युक्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों के कार्य बल पूर्ति के लिए विश्व स्तरीय अनुदेशकों का निर्माण करके औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की प्रशिक्षण प्रक्रिया में सुधार और अघतन की प्राप्ति हेतु कौशल की श्रृंखला को नियमित रूप से प्रखर करते रहना।
गुणवत्ता नीति: उत्कृष्ट मानक के अनुसार तथा मांग अनुरूप निर्मित प्रशिक्षण प्रदान करके हित धारकों की इच्छा पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम संस्थान और उद्योगों के मध्य एक स्वरुप,समन्वय व सहयोग पूर्ण परिवेश निर्मित करके सीखने की प्रक्रिया के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता का उत्पाद बनाने की कोशिश करेंगे।

महिला छात्रावास

महिला छात्रावास में मिलने वाली सुविधाएँ:-

1. भोजनालय:- छात्रावास में लगभग 300 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजनालय की सुविधा उपलब्ध है। एक बार में 100 प्रशिक्षणार्थियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध है। भोजनालय में वाटर रेफ्रिजरेटर लगा हुआ है,जिससे सभी को शीतल जल मिलता है।
2. दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधा:- दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर्स की सुविधा तथा छात्रावास के प्रत्येक कमरे में कम ऊँचाई वाले बेड उपलब्ध है।
3. अतिथि कक्ष:- छात्रावास में अतिथियों के लिए चार कमरा उपलब्ध है तथा प्रत्येक कमरे में चार बेड के साथ अन्य कई सुविधा उपलब्ध है।
4. सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की व्यवस्था:- हमारे छात्रावास में यह सबसे प्रमुख सुविधाओं में से एक है। इससे सर्दियों के मौसम में 24x7 गर्म पानी मिल पाता है। प्रत्येक स्नानघर में इसकी सुविधा उपलब्ध है। इसकी माध्यम से लगभग 6000 ली. पानी प्रतिदिन गर्म किया जाता है।
5. स्टोर रूम:- हमारे छात्रावास में एक स्टोर रूम है। स्टोर रूम में खेल सामग्री जैसे वॉलीबॉल,फुटबॉल आदि उपलब्ध है।
6. क्रीडा क्षेत्र:- छात्रावास परिसर में 2 बैडमिंटन कोर्ट, एक वॉली बॉल कोर्ट और एक बास्केटबॉल का कोर्ट है। साथ ही दौड़ लगाने के लिए लगभग 1000 मी. लम्बी ट्रैक भी उपलब्ध है।
7. सौर ऊर्जा से बिजली की सुविधा:- छात्रावास तथा अन्य परिसर के लिए 750 KW का सौर ऊर्जा का बिजली केन्द्र लगा हुआ है जो पूरे छात्रावास को 24x7 बिजली की सुविधा उपलब्ध कराती है।

8. अध्ययन कक्ष:- छात्रावास में एक अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध है,जहा छात्रों के लिए 24x7 पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध रहती है।
9. व्यायाम शाला:- बच्चों के लिए खुले मैदान परिसर में व्यायाम करने की भी सुविधा उपलब्ध है।
10. सी.सी.टी.वी. की सुविधा:- पुरे छात्रावास परिसर में जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए है,जिससे किसी भी आकस्मात घटना का पता लगाया जा सकता है।

पुरुष छात्रावास

पुरुष छात्रावास में मिलने वाली सुविधायें:-
1. फिल्टर्ड वाटर:- पीने के शुद्ध पानी के लिए हॉस्टल के हर/प्रत्येक फ्लोर पर आरों लगा है जिसमे सामान्य तथा ठंडा पानी की सुविधा है। सर्दियों में गर्म पानी के लिये अलग से व्यवस्था की जाती है।
2. भोजनालय :- सभी हॉस्टलर्स के लिए मैस की सुविधा दी गयी है जहाँ सुबह ब्रेकफास्ट, दोपहर में लंच तथा शाम को चाय, रात को डिनर की सुविधा की गयी है।
3. कमरे की सुविधायें :- हॉस्टल में 4 फ्लोर जिसमे प्रत्येक फ्लोर पर 20 यानी कुल 80 कमरों की व्यवस्था है। प्रत्येक रूम को पर्सनली 3 वर्गाकार भागों में बाँटा गया है। तथा प्रत्येक 3 छात्र के लिए 3 अल्मिराह की व्यवस्था है। इसके साथ ही 3 बेड,गददा,टेबल कुर्सी का प्रबंध किया गया है।
4. कमरे में विद्युत् सुविधा:- प्रत्येक कमरे में एक ट्यूब लाइट,फिलिप्स लैंप,(खास तौर पर पढ़ने के लिये),पंखे,यूएसबी (2100ma) का पोर्ट है। 3 स्विच बोर्ड भी है।
5. साफ़-सफाई:- प्रतिदिन सफाईकर्मी द्वारा बाथरूम,वाशरूम तथा कॉरिडोर को अच्छे से साफ किया जाता है।
6. प्रत्येक फ्लोर पर 4 डस्टबिन रखा गया है और बाथरूम के लिए 1 मिनी डस्टबिन की सुविधा की गयी है।

7. स्नानघर :- प्रत्येक फ्लोर पर दो कंबाइन बाथरूम की सुविधा की गई है जिसमे हर एक फ्लोर में कंबाइंड बाथरूम,चार नहाने का कक्ष है तथा चार वाशरूम है और **8** हैंड वाश है। जिनके साथ दर्पण की भी सुविधा है।

8. दिव्यांग स्नानघर तथा शौचालय:- प्रत्येक फ्लोर पर दिव्यांग व्यक्ति के लिए दो स्नानघर की व्यवस्था है।

9. अतिथि कक्ष:- छात्रावास में अतिथियों के लिए चार कमरे उपलब्ध है तथा प्रत्येक कमरे में 4 बेड के साथ अन्य कई सुविधा उपलब्ध है।

10. सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की व्यवस्था:- छात्रावास में यह सबसे प्रमुख सुविधाओं में से एक है। इससे सर्दियों के मौसम में 24x7 गर्म पानी मिल पाता है। प्रत्येक स्नानघर में इसकी सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से प्रतिदिन 6000 ली. पानी गर्म किया जाता है।

11. सौर ऊर्जा से बिजली की सुविधा:- छात्रावास तथा अन्य परिसर के लिए 750 KW का सौर ऊर्जा का बिजली केन्द्र लगा हुआ है जो पूरे छात्रावास को 24x7 बिजली की सुविधा उपलब्ध कराती है।

12. अध्ययन कक्ष:- छात्रावास में एक अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध है,जहा छात्रों के लिए 24x7 पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध है।

13. व्यायामशाला:- बच्चों के लिए खुले मैदान परिसर में व्यायाम करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

14. सी.सी.टी.वी. की सुविधा:- पुरे छात्रावास परिसर में जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए है,जिससे किसी भी आकस्मात घटना का पता लगाया जा सकता है।

“जिस चीज को आप चाहते हैं, उसमें असफल होना, जिस चीज को आप नहीं चाहते उसमे सफल होने से बेहतर है।”

जार्ज बनर्स

एनएसटीआई देहरादून में प्रशिक्षण कार्यक्रम

दीर्घकालिक नियमित पाठ्यक्रम

✓शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस)

सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल) **कुल सीटें: 20**

प्रवेश योग्यता: कक्षा 10 विज्ञान और गणित के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष

पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी:

सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल) ट्रेड की एक साल की अवधि के दौरान, उम्मीदवार को जॉब रोल से संबंधित प्रोफेशनल स्किल्स, प्रोफेशनल नॉलेज और एम्प्लॉयबिलिटी स्किल में प्रशिक्षित किया जाता है।

✓शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस)

1. कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग मेंटेनन्स (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 50 (दो इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय, या नाइलिट "बी" से कंप्यूटर विज्ञान/आईटी/ इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान/आईटी/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिप्लोमा।

या

सीएचएनएम या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।

या

सीएचएनएम या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र।

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 100 (चार इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री या एमसीए / एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान कंप्यूटर / सूचना प्रौद्योगिकी) / नाइलिट "बी" या मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय से समकक्ष।

या

कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या बीसीए / बीएससी (कंप्यूटर विज्ञान / सूचना प्रौद्योगिकी) या मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय से समकक्ष।

या

सी०ओ०पी०ए० या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।

या

सी०ओ०पी०ए० या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 50 (दो इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखा में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखा में तीन वर्षीय डिप्लोमा।

या

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।

या

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र।

इलेक्ट्रीशियन (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 100 (चार इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिप्लोमा।

या

इलेक्ट्रीशियन या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।

या

इलेक्ट्रीशियन या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र।

✓आईटी में उन्नत डिप्लोमा - नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग (**ADIT)**

आईटी, नेटवर्किंग और क्लाउड में एडवांस्ड डिप्लोमा

कुल सीटें: 30

<u>पात्रता योग्यता:</u>

किसी एक वर्ष के एनटीसी (एन०सी०वी०टी० प्रमाण पत्र) के साथ दसवीं /बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण या न्यूनतम 60% अंकों के साथ दो वर्षीय ट्रेड/प्रथम श्रेणी NSTI / ITI में CTS करने वाले उम्मीदवार, जो अपनी अंतिम परीक्षा में उपस्थित हुए हैं या उपस्थित हुए हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते उन्होंने अपने CTS ट्रेड में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त किए हों। न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त न करने की स्थिति में उन्हें पाठ्यक्रम जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

या

बारहवीं कक्षा न्यूनतम 60% अंकों / प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण।

या

मान्यता प्राप्त बोर्ड से तीन वर्षीय डिप्लोमा के साथ दसवीं पास और न्यूनतम 60% अंक/डिप्लोमा में प्रथम श्रेणी

या

न्यूनतम 60% अंकों/प्रथम श्रेणी के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कोई भी नियमित डिग्री

सफलता की कहानियाँ

इस संस्थान के कुछ सफल प्रशिक्षणार्थी

1. श्री मनिंदर सिंह बिष्ट (व्यवसायिक प्रशिक्षक)

श्री मनिंदर सिंह बिस्ट ने प्रतिनियुक्त उम्मीदवार के रूप में बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के बाद **2016** में इस संस्थान से सीआईटीएस (इलेक्ट्रीशियन और वायरमैन) की पढ़ाई पूरी की है। वह वर्तमान में शासकीय आईटीआई (बॉयज़) देहरादून में व्यावसायिक प्रशिक्षक (इलेक्ट्रीशियन) के रूप में कार्यरत हैं।

2. श्री रीगन कुमार (व्यावसायिक प्रशिक्षक)

श्री रीगन कुमार ने आईटी में बी.टेक के बाद **2019** में इस संस्थान से सीआईटीएस (सीएसए) पूरा किया है। वह वर्तमान में राष्ट्रीय कैरियर सेवा, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, मुंबई में व्यावसायिक प्रशिक्षक (कंप्यूटर अनुप्रयोग और कार्यालय प्रबंधन) के रूप में कार्यरत हैं।

3. श्री संजीव जोशी (व्यावसायिक प्रशिक्षक)

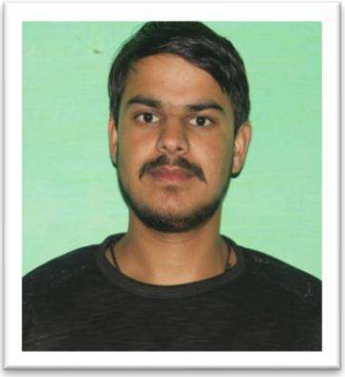

श्री संजीव जोशी ने सी०एस०ई में बी.टेक के बाद 2019 में इस संस्थान से सीआईटीएस (सीएचएनएम) पूरा किया है। वह वर्तमान में नेशनल कैरियर सर्विसेज, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, देहरादून में व्यावसायिक प्रशिक्षक (कंप्यूटर संचालन और आईटी सक्षम सेवाएं) के रूप में कार्यरत हैं।

4. श्री दुर्गेश त्रिवेदी (व्यावसायिक प्रशिक्षक)

श्री दुर्गेश त्रिवेदी ने स्नातक बीसीए के बाद 2022 में इस संस्थान से सीआईटीएस (सीएसए) पूरा किया है। वह वर्तमान में नेशनल कैरियर सर्विसेज, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, कोलकाता में व्यावसायिक प्रशिक्षक (कंप्यूटर अनुप्रयोग) के रूप में कार्यरत हैं।

5. श्री मुकेश पांडे

श्री मुकेश पांडे ने प्रतिनियुक्त उम्मीदवार के रूप में आई. टी. आई (इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक) के बाद 2022 में इस संस्थान से सीआईटीएस इलेक्ट्रोनिक मैक्निक पढाई पूरी की है। वर्तमान में ये ISRO संसथान में कार्यरत हैं।

ट्रेनिंग कैलेंडर

भारत सरकार,
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय प्रशिक्षण महानिदेशालय

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून

ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून (उत्तराखंड)- 248171

दूरभाष: 0135-2629310 E-mail: nsti-dehradun @dgt.gov.in

अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की प्रवेश सूचना

इस संस्थान द्वारा वर्ष 2024-2025 में निम्नलिखित अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाना है।

Admission Notice for Short Term Courses

This Institute will conduct following Short Term Courses during the year 2024-2025.

क्षेत्रीय निदेशक/विभागाध्यक्ष

AVTS SCHEDULE YEAR 2024-25

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहारादून/NATIONAL SKILL TRAINING INSTITUTE, DEHRADUN

SHORT TERM COURSE IN TRADE **ELECTRICIAN** FOR YEAR 2024-2025					
S. NO	**MONTH**	**STARTING DATE**	**END DATE**	**SEATS**	**COURSE NAME**
1	May-24	13/05/2024	17/05/2024	20	AC electrical motor testing,operation and maintenance
2	Jun-24	10/06/2024	14/06/2024	20	Industrial panel control for induction motor with various starters
3	Jul-24	22/07/2024	26/07/2024	20	Industrial motor control and drives
4	Aug-24	19/08/2024	23/08/2024	20	AC electrical motor testing,operation and maintenance
5	Sep-24	23/09/2024	27/09/2024	20	Industrial panel control for induction motor with various starters
6	Oct-24	21/10/2024	25/10/2024	20	Industrial motor control and drives
7	Nov-24	18/11/2024	22/11/2024	20	AC electrical motor testing,operation and maintenance
8	Dec-24	16/12/2024	20/12/2024	20	Industrial panel control for induction motor with various starters
9	Feb-25	03/02/2025	07/02/2025	20	AC electrical motor testing,operation and maintenance
10	Mar-25	24/03/2025	28/03/2025	20	Industrial motor control and drives
SHORT TERM COURSE IN TRADE **WELDER** FOR YEAR 2024-2025					
S. NO	**MONTH**	**STARTING DATE**	**END DATE**	**SEATS**	**COURSE NAME**
1	Nov-24	04/11/2024	08/11/2024	20	Gas Tungsten Arc welding on Aluminium plate
2	Dec-24	09/12/2024	13/12/2024	20	Gas metal Arc welding on Stainless steel plate (MIG)
3	Feb-25	10/02/2025	14/02/2025	20	Gas metal Arc welding on Stainless steel plate (MIG)
4	Mar-25	03/03/2025	07/03/2025	20	Gas Tungsten Arc welding on Aluminium plate
SHORT TERM COURSE IN TRADE **SOLAR TECHNICIAN** FOR YEAR 2024-2025					
S. NO	**MONTH**	**STARTING DATE**	**END DATE**	**SEATS**	**COURSE NAME**
1	May-24	27/05/2024	31/05/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING

2	Jun-24	24/06/2024	28/06/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
3	Jul-24	22/07/2024	26/07/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
4	Aug-24	19/08/2024	23/08/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
5	Sep-24	09/09/2024	13/09/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
6	Oct-24	21/10/2024	25/10/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
7	Nov-24	25/11/2024	29/11/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
8	Dec-24	16/12/2024	20/12/2024	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
9	Feb-25	03/02/2025	07/02/2025	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING
10	Mar-25	24/03/2025	28/03/2025	20	TESTING OF PV CELLS AND ITS PERFORMANCE, INSTALLATION OF SOLAR PANEL AND COMMISSIONING

SHORT TERM COURSE IN TRADE **PLC LAB** FOR YEAR 2024-2025

S. NO	MONTH	STARTING DATE	END DATE	SEATS	COURSE NAME
1	Apr-24	29/04/2024	03/05/2024	20	PLC programming and application
2	Jul-24	22/07/2024	26/07/2024	20	Industrial Automation with PLC & SCADA
3	Sep-24	02/09/2024	06/09/2024	20	PLC programming and application
4	Oct-24	07/10/2024	11/10/2024	20	Industrial Automation with PLC & SCADA
5	Feb-25	17/02/2025	21/02/2025	20	PLC programming and application
6	Mar-25	03/03/2025	07/03/2025	20	Industrial Automation with PLC & SCADA

SHORT TERM COURSE IN TRADE **EM LAB** FOR YEAR 2024-2025

S. NO	MONTH	STARTING DATE	END DATE	SEATS	COURSE NAME
1	Apr-24	22/04/2024	26/04/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
2	May-24	06/05/2024	10/05/2024	20	Electronic Circuit Design
3	Jun-24	24/06/2024	28/06/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
4	Jul-24	08/07/2024	12/07/2024	20	Electronic Circuit Design
5	Aug-24	05/08/2024	09/08/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
6	Sep-24	09/09/2024	13/09/2024	20	Electronic Circuit Design
7	Oct-24	14/10/2024	18/10/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8053
8	Nov-24	04/11/2024	08/11/2024	20	Electronic Circuit Design
9	Feb-25	17/02/2025	21/02/2025	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8055
10	Mar-25	24/03/2025	28/03/2025	20	Electronic Circuit Design

SHORT TERM COURSE IN TRADE **EM LAB** FOR YEAR 2024-2025

S. NO	MONTH	STARTING DATE	END DATE	SEATS	COURSE NAME
1	Apr-24	22/04/2024	26/04/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
2	May-24	06/05/2024	10/05/2024	20	Electronic Circuit Design
3	Jun-24	24/06/2024	28/06/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
4	Jul-24	08/07/2024	12/07/2024	20	Electronic Circuit Design
5	Aug-24	05/08/2024	09/08/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8051
6	Sep-24	09/09/2024	13/09/2024	20	Electronic Circuit Design
7	Oct-24	14/10/2024	18/10/2024	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8053
8	Nov-24	04/11/2024	08/11/2024	20	Electronic Circuit Design
9	Feb-25	17/02/2025	21/02/2025	20	Introduction to Embedded System Using Microcontroller 8055
10	Mar-25	24/03/2025	28/03/2025	20	Electronic Circuit Design

SHORT TERM COURSE IN TRADE **CHNM LAB** FOR YEAR 2024-2025

S. NO	MONTH	STARTING DATE	END DATE	SEATS	COURSE NAME
1	Apr-24	15/04/2024	19/04/2024	20	Computer Hardware and Networking
2	Aug-24	19/08/2024	23/08/2024	20	Computer Hardware and Networking
3	Nov-24	18/11/2024	22/11/2024	20	Computer Hardware and Networking
4	Feb-25	10/02/2025	14/02/2025	20	Computer Hardware and Networking

SHORT TERM COURSE IN TRADE **CSA LAB** FOR YEAR 2024-2025

S. NO	MONTH	STARTING DATE	END DATE	SEATS	COURSE NAME
1	Apr-24	15-04-2024	19-04-2024	20	Advance Excel
2	May-24	13-05-2024	17-05-2024	20	Indroduction to Multimedia & Web Page Design
3	Jun-24	03-06-2024	07-06-2024	20	Programming language (Python)
4	Jun-24	10-06-2024	14-06-2024	20	Basic PHP Language
5	Jul-24	22-07-2024	26-07-2024	20	Computer Networking & Security
6	Aug-24	19-08-2024	23-08-2024	20	Advance Excel
7	Sep-24	23-09-2024	27-09-2024	20	Indroduction to Multimedia & Web Page Design
8	Oct-24	14-10-2024	18-10-2024	20	Basic PHP Language
9	Nov-24	18-11-2024	22-11-2024	20	Computer Networking & Security
10	Jan-25	27-01-2025	31-01-2025	20	Programming language (Python)
11	Feb-25	17-02-2025	21-02-2025	20	Basic PHP Language
12	Mar-25	03-03-2025	07-03-2024	20	Computer Networking & Security

Note:- Conducting the course is subjected to availability of minimum number of trainees and relevent faculty.

डीजीटी के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार आईबीएम द्वारा आईटी, नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग में उन्नत डिप्लोमा (व्यावसायिक) संचालित किया जा रहा है।

"जीवन में हजारो लड़ाईयां जीतने से अच्छा हैं की तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो । फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।"

गौतम बुद्ध

कविताएं

कोयल

कोयल हमको क्या सिखलाती ?
तन की सुंदरता से उत्तम, स्वर में सौम्यता बतलाती ||
काग-कोयल का रंग समान |
ना कौवा किसी का धनहर्ता ना कोयल देती दान ||
कौवे की कांव-कांव सुन क्रोध उपजता मन के अंदर |
जहाँ भी जाता लोग भगाते सुनकर कर्कश वाणी तत्क्षण ||
लेकिन कोयल की कुहू-कुहू सुन मन प्रसन्न हो जाता है |
व्यथित व्यक्ति के भी मन अंदर नूतन उल्लास समाता है ||
मीठी वाणी बोल-बोल कर कोयल हमें बताती है |
हम भी बोलें मीठी वाणी कोयल हमें सिखाती है ||

ज्योति शरण गांधी
प्रशिक्षण अधिकारी

“सीखने की कमी घोर पाशविकता के अलावा और कुछ नहीं है। ज्ञान प्राप्ति के माध्यम से वह अपनी निम्न स्थिति को खो देता है और उच्च स्थिति को प्राप्त कर लेता है।“

सावित्रीबाई फुले

मेरे भाव मे हिन्दी के अक्षर

आप मानो या न मानो
पढ़ों या पढ़ने से इनकार करो
मै तो अपने मन के भाव लिखूंगा
हिन्दी के अक्षर क्या कहते है
इसपर अपनी सुझाव लिखूँगा

हिन्दी के अक्षर
हिन्दी के दो आधे अक्षर
ह से हिम्मत ,न् से नियत
द से इसकी दरियादिली

और इसकी दो मात्राएं
ई और इ मानो मुझसे ये बतलाये
ई से ईस्ट हो गई ये मेरी
और इ से इतरा-इतराकर अपनी
इतिहास और भविष्य बता-बता इठलाये

हिन्दी को देख-जान कर लगता है आज
विश्व पर इसका हो गया है राज
हिन्दी मे हिम्मत की खान है
नियत निखारने का दरियादिली अंदाज है

समेट ले अपने अंदर उर्दू-अरबी
और फारसी जैसो के अल्फ़ाज़
यही तो है हिन्दी की द से दरियादिली मिजाज
मै धन्य हूँ जो मुझे
ईश्वर ने दिया हिन्दी भाषा का कुछ ज्ञान
तो सुनो हिन्दी के अक्षरों का मेरे भावों मे
कुछ अपनाने और करने वाली बात

हिन्दी को अपने हृदय मे लाकर
हिन्दी को अपनी आदत नियत बनाकर
हिन्दी का दीवाना होकर
दरियादिल परवाना होकर

इतरा इतराकर और इठलाकर
देश विदेश जगत के कोने -कोने मे जाकर
फैला दो हिन्दी का स्वर्णिम हिन्द -प्रकाश ।

आशीष पाठक
अतिथि संकाय (इलेकट्रीसियन)

हिंदी भाषा

हिंदी है भारत की राष्ट्र भाषा।
फिर भी कुछ राज्यों में बच्चों को अ, आ नहीं आता।

गुड़ मॉर्निंग से होती है बच्चो के दिन की शुरुआत।
हिंदी में जिसे हम कहते है सुप्रभात।

हिंदी है एक ऐसी भाषा
जिसके अनपढ़ भी गुण गाता।

पहले हिंदी में सब करते बात।
अंग्रेजी हो गई अब विख्यात।

कर ले अब हिंदी में काम
फुल स्टॉप से पूर्ण विराम।

हिंदी को सब मिलकर सफल बनाओ
बचे-कुचे व्यक्ति भी हिंदी को अपनाओ।

नाम- सोनिया
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या कांटे हों
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहें या रहें न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्छा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बनी हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो।

नाम- विमल त्रिपाठी
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

“मैंने स्वप्न देखा कि जीवन आनंद है, मैं जागा और पाया कि जीवन सेवा है,मैंने सेवा की और पाया कि सेवा में ही आनंद है।”

रवीन्द्रनाथ टैगोर

लत

एक बार एक शराबी था जो शराब पीने की बुरी लत के कारण हुई आर्थिक तंगी, परिवार और समाज के तीनों से परेशान हो जाता है, जिसके कारण वह घर छोड़कर जंगल की ओर निकल जाता है। जंगल जाते हुए उसे रास्ते में एक महात्मा तप करते हुए दिखाई देते हैं। शराबी के मन में आया क्यूँ ना में महात्मा जी से शराब छोड़ने का उपाय पूछूँ।

वह महात्मा जी के पास जाता है और बहुत दुःखी स्वर में कहता है कि है महात्मन! मैं अपने शराब पीने की बुरी आदत से बहुत परेशान हूँ, मैं इसे छोड़ना चाहता हूँ, आपसे विनम्र आग्रह है कि, मुझे शराब छोड़ने का उचित उपाय बताइये। महात्मा जी ने मुस्कुराते हुए बोलै कल आना, और पुनः तपस्या में लीन हो गए।

वह बहुत ही उम्मीद के साथ कल पुनः महात्मा जी के पास आया और पुनः अपने उसी प्रश्न को रखा, महात्मा जी ने फिर से कल आने को बोला। यह सिलसिला हफ़्तों तक चलता रहा और कल आना कहकर महात्मा जी तपस्या में लीन हो जाया करते थे। प्रश्न का जवाब न मिलने के कारण शराबी आक्रोशित होकर महात्मा जी के पास पहुँचा और वहाँ उसने देखा कि महात्मा जी पेड़ की टहनियों से लटके हुए थे, उसने गुस्से में बोला महात्मन आज मेरे प्रश्नो का उत्तर दे दीजिये। महात्मा जी ने कुछ नहीं बोला और खुद को परेशान परिस्थिति में दिखाया, शराबी ने बोला नीचे आइये और मेरे प्रश्नो का जवाब दीजिए। महात्मा जी ने बोला मैं नीचे आना चाहता हूँ लेकिन ये टहनियाँ मुझे नहीं छोड़ रही, शराबी ने गुस्से में बोलै आपने टहनियों को पकड़ रखा है ना कि टहनियों ने आपको। महात्मा जी ने मुस्कुराते हुए कहा यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है, शराब को तुमने पकड़ रखा है ना की शराब ने तुमको। यह सुनते ही शराबी महात्मा जी के पैरों में गिर गया।

शिक्षा:-

उपरोक्त कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कोई भी बुराई या कमी हम छोड़ना चाहते हैं तो हम दृण निश्चय लेकर छोड़ सकते है क्यों कि बुराइयों या कमियों से हम जुड़े हुए हैं ना कि कमियाँ या बुराइयाँ हमसे।

नाम- विनायक उपाध्याय
ट्रेड- इलैक्ट्रीशियन
बैच- प्रथम

"हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है।"

पुरुषोत्तम दास टंडन

शिव-विष्णु मिलन

शिव-विष्णु मिलन को सुनकर मेरे मन में एक ही बात आती है वो है इनका हर युग में मिलना। कैसे इन्होने हर युग में अपना अवतार लिया तथा सत्य की विजय करायी। हम बात करें युगों की तो युगो की संख्या चार है जिनमें इन दोनों देवताओं ने अवतार लिये। प्रथम युग सतयुग, f}rh; युग त्रेता युग, तृतीय युग द्वापर युग तथा चतुर्थ युग कलियुग है।

प्रथम युग में भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रहलाद का जीवन बचाने के लिए नृसिंह अवतार लिया। प्रहलाद के पिता हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद को मृत्यु के घाट उतारने की सोची। इसी कारण भगवान विष्णु ने अपना नृसिंह अवतार धारण किया तथा हिरण्यकश्यप का वध किया। हिरण्यकश्यप के वध के बाद भगवान विष्णु के अवतार नृसिंह के भयंकर रूप को शांत करने के लिए भगवान शिव ने सर्वेश्वर भगवान का रूप धारण किया। इस युग में इनका मिलन इसी तरह होता है।

f}rh; युग में भगवान विष्णु ने रावण जैसे अत्याचारी राक्षस रूपी राजा का वध करने के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम राम का अवतार लिया इस युग में भी भगवान शिव ने इनके सबसे बड़े भक्त हनुमान का अवतार लिया। इनके संबंध को पूरा संसार जानता है। अगर हम भक्तों की बात करें और भगवान हनुमान की बात न हो ऐसा हो ही नहीं सकता। भगवान हनुमान के माध्यम से भगवान श्री राम ने लंका पर विजय प्राप्त की तथा सत्य की विजय करायी। इसी तरह हम द्वापर युग में भी भगवान विष्णु का अवतार पाते हैं। इनका अवतार इस युग में बहुत ही निराला और नटखट है। नटखट की बात सुनकर हमारे मन में एक ही नाम आता है वो हैं मुरली मनोहर और राधा तथा मीरा के प्रेम श्री कृष्ण। इस युग में लोगों का भगवान शिव के अवतार पर विवाद है। क्योंकि इस युग में कुछ लोग भगवान शिव को श्री कृष्ण के भाई बलराम, तो कुछ लोग भगवान का भी इस युग में होना मानते हैं। जब श्री कृष्ण ने अपने मामा कंस का वध करने के बाद सत्य की जीत करायी। इसके बाद श्री कृष्ण ने महाभारत के काल में भी अपने आप को प्रस्तुत किया। इसी तरह भगवान शिव ने भी अपना अवतार हनुमान महाभारत में प्रस्तुत किया।

अब हम बात करें चतुर्थ युग कलियुग की तो इस युग में भगवान विष्णु ने अपने कल्कि अवतार में आएंगे। भगवान विष्णु का कलियुग में आना इस तरह भी मान सकते है कि लोगों का भगवान श्री राम तथा भगवान हनुमान की तरफ भक्ति की ओर आकर्षण हो रहा है। भगवान विष्णु का इस युग में आना तथा भगवान शिव का भी इस युग में अवतार लेना निश्चित है। अगर हम युगों को देखे तो हर युग में भगवान विष्णु ने स्त्री की रक्षा की है। जैसे त्रेता युग में माता सीता को बचाने के लिए श्री राम का रूप, द्वापर युग में श्री कृष्ण ने अपनी माता देवकी को बंधन मुक्त कराया था। तथा महाभारत काल में द्रोपदी की लाज भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण ने बचाई।

इस युग भगवान हनुमान व श्रीराम ने लोगों को दर्शन दिए हैं। कलियुग में जैसा स्त्रियों पर अत्याचार मांस मदिरा का सेवन तथा लोगों का दया से विश्वास उतना इस बात का संकेत है कि भगवान शिव तथा विष्णु का अवतार लेना आवश्यक है क्योंकि लोगों ने इस तरह के सेवन तथा पवित्रता को नष्ट करने के कारण भगवान अवतार लेंगे। मेरे विचार यहीं समाप्त होते हैं मैं चाहूंगा कि सभी व्यक्ति मास-मदिरा के सेवन से परहेज करें तथा स्त्री रक्षा करें। मैं इस चीज में भी भगवान शिव तथा विष्णु के मिलन को अपने नेत्रों से देखना चाहूँगा।

नाम- सन्जू कुमार

ट्रेड- एडीआईटी

कौन हारता नहीं

जीत तो ख्वाहिश है सबकी हार रास आती नहीं
तब तक सफलता नहीं सच्ची जब हार मिल जाती नही।
जब हार मिल जाती नही।
होंगे ऐसे लोग भी जो कभी भी हारे नही..
पर पास जाके उनसे पूछो, सचमुच वो हारे नही ?
शामिल अनेकों हार होंगी उनकी हर एक जीत में
हर पदक पाने से पहले, हार देखी क़रीब से..
है नहीं कोई भी ऐसा, जो कभी हारा नही
तब तक सफलता नही सच्ची, जब हार मिल जाती नही।
जब हार मिल जाती नही।
जिसने शिखर जीता छुआ... तुम कदम उनके मापना
जो वृक्ष फल लादे खड़ा है उसकी जड़ों को आंकना
वो कदम कितने घिस गये हैं, मुश्किलों को साधने में
जड़ें कितनी ढह गयी हैं इन फलों को थामने में
हमने इनको खड़े देखा,
हमने इनको खड़े देखा, गिरना कभी देखा नही।
तब तक सफलता नही सच्ची, जब हार मिल जाती नही।
जीत तो ख्वाहिश है सबकी हार रास आती नहीं
तब तक सफलता नहीं सच्ची जब हार मिल जाती नही।
जब हार मिल जाती नही।

नाम- पुष्पांजलि
ट्रेड- सीएचएनएम

बेटी

पढ़ती है आज बेटी लड़ती अँधेरों संग,
एक दिन पढ़-लिख, सबको पढ़ाएगी।।
चॉक व स्लेट लेकर, करती है श्री गणेश,
खूब पढ़-लिखकर, सम्मान बढ़ाएगी।।
हिम्मत व हौसले से लड़ती है संकटो से,
सूरज और चँदा-सी, वो जगमगाएगी।।
खुली है किताब देखो, खुले पर उसके है
लगा उड़ान ऊँची वो, फिर लौट आएगी।।
है पढ़ रही बिटिया, है बढ़ रही बिटिया
देश विदेश सबका, वो मान बढ़ाती है।।

नाम- दीक्षा
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

"राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।"

महात्मा गांधी

शिकायते

अनुदेशक को खाक होकर भी
चमकना पड़ता है
जैसे मोम को
रोशनी के लिए पिघलना पड़ता है
तोड़ कर मर्म अपना
वो टीओ को खुश रखता है
तोड़ कर मर्म अपना
वो टीओ को खुश रखता है
दिन भर पामाल रहता है
फिर भी चेहरे पे हंसी मुकम्मल रखता है
कुछ कचोटता है उसे अन्दर ही अन्दर
फिर भी झील सी आँखों में समन्दर रखता है
बेसब्र रहता है
पर कुछ कहता नहीं
बेसब्र रहता है पर कुछ कहता नहीं
सोचो
वो कितना बवंडर सहता है
और तोड़कर हजारो मन की तरंगे
9:00 से 5:30 में सिमटा रहता है
अनुदेशक होना आसान तो नहीं
बिन गलती के भी सुनना पड़ता है
जैसे मोम को
रोशनी के लिए पिघलना पड़ता है
अनुदेशक को खाक होकर भी
चमकना पड़ता है

नाम- विकास अग्रहरी
ट्रेड- सीएसए

कविता

लोहा जितना तपता है उतना ही ताकत भरता हैं
सोने को जितनी आग लगे, वो उतना ही प्रखर निखरता है
हीरे पर जितनी धार लगे, वो उतना खूब चमकता है ।
मिट्टी का बर्तन पकता है, तब हर धुन पर खूब खनकता है ।
सूरज जैसा बनना है, सूरज जितना जलना होगा।
सूरज जैसा बनना है, तो सूरज जितना जलना होगा।
नदियों सा आदर पाना है, तो पर्वत छोड़ निकलना होगा।
और हम आदम के बेटे है, और हम आदम के बेटे है।
क्यों सोचे राह सरल होगा, कुछ ज्यादा वक्त लगेगा पर,
संघर्ष जरूर सफल होगा, संघर्ष जरूर सफल होगा।

नाम- गुंजा कुमारी
ट्रेड- सीएचएनएम

“मैं यह दावे के साथ कह सकता हूँ कि हिंदी के बिना हमारा काम नहीं चल सकता।”

वकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय

आदमी की औकात

एक माचिस की तिल्ली और एक घी का लोटा
लकड़ियों के ढेर पे कुछ घण्टो में राख का ढेर
बस इतनी सी है "आदमी की औकात"

एक बूढ़ा बाप शाम को मर गया, अपनी सारी जिन्दगी
परिवार के नाम कर गया कही रोने की आवाज तो कही
फुसफुसाहट और जल्दी ले जाओ कौन रखेगा सारी रात,
बस इतनी सी है "आदमी की औकात"

मरने के बाद नीचे देखा नजारे नजर आ रहे थे मेरे मरने
पर कुछ जबरदस्त तो कुछ जबरदस्ती रो रहे थे नहीं रहा
चला गया चार दिन तक करेंगे बात,
बस इतनी सी है "आदमी की औकात"

बेटा अच्छी तस्वीर बनवाएगा, सामने अगरबत्ती जलाएगा खुशबूदार
फूलों की माला होगी अखबार में अश्रुपूरित श्रृद्धांजलि होगी।
बाद में उस तस्वीर पर जाले भी कौन करेगा साफ,
बस इतनी सी है "आदमी की औकात"

जिन्दगी भर मेरा मेरा किया अपने लिए कम अपनों के
लिए ज्यादा जिया कोई न देगा साथ जाएगा खाली हाथ
क्या तिनका भी साथ ले जाने की है औकात
बस इतनी सी है "आदमी की औकात

नाम- पूजा आर्या
ट्रेड- इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक

कविता काव्य खण्ड- अवधि

उठ जाग मुसाफिर भोर भई,
अब रैन कहाँ जो सोवत है ।
जो सोवत है सो खोवत है,
जो जागत है सोई पावत है ॥
उठ नींद से अखियाँ खोल जरा,
और अपने प्रभु में ध्यान लगा ।
यह प्रीत करन की रीति नहीं,
प्रभु जागत है तू सोवत है ॥
जो कल करना सो आज कर ले,
जो आज करे सो अब कर ले ।
जब चिड़िया ने चुग खेत लिया,
फिर पछताए क्या होवत है ॥
नादान भुगत अपनी करनी,
ऐ पापी पाप में चैन कहाँ ।
जब पाप की गठड़ी शीश धरी,
अब शीश पकड़ क्यूँ रोवत है ॥
उठ जाग मुसाफिर भोर भई,
अब रैन कहाँ जो सोवत है ।

नाम- पुष्पेन्द्र वर्मा
ट्रेड- इलैक्ट्रीशियन बैच- **द्वितीय**

किताबें

नहीं रखती ये अपना भार किसी पर,
सूत समेत वसूल कर देती है ये किताबें।
तुम देकर तो देखो अपना अमूल्य वक्त इन्हें,
जीवन के सर्वोत्तम शिखर पर पहुंचाकर दिखाएंगी ये तुम्हे।
क्यों व्यर्थ ये समय गवाना जिंदगी का
जब मिला है ये साथ पन्नों के इन समूहों का।
पल पल हर क्षण देंगी जीवन नवरंग
साथ रहकर जब देखो तुम इन संग।
अलग पहचान तुम्हें ये देंगी,
भीड़ से अलग तुम्हें कर देंगी।
प्रथम सीढ़ी कदम साथ लो तुम इनका
सर्वोच्च शिखर पर पहुँचकर दिखाएंगी ये किताबें।
नहीं रखती ये अपना भार किसी पर,
सूत समेत वसूल कर देती है ये किताबें।

नाम- दीपा पंत
ट्रेड- इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक

कंप्यूटर सा जीवन

सोचता हूँ कंप्यूटर सा जीवन व्यतीत करूँ,
स्वयं का हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर अपडेट करूँ।
ऊर्जा मिल जाये वृद्धजनों से आशीर्वाद में,
स्विच ऐसा मैं संस्कारों का ऑन करूँ।
रैम सी चिपकी हो हृदय से मेरे संगिनी,
साथ मिलकर मैं उसके सिस्टम बूट करूँ।
सोचता हूँ...
न कर पाये दिल में आसानी से लॉगिन,
मैं पासवर्ड कोई ऐसा रिसेट करूं।
आजकल वायरस बहुत है आस-पास मेरे,
सोचता हूँ एंटीवायरस भी अप-टू-डेट करूँ।
फेंक दूँ बुरे विचारों को रिसायकलबिन में,
बार-बार खुद को ऐसे रिफ्रेश करूँ।
सोचता हूँ...
भर दूँ रिश्तों के एप्लीकेशन से इसे,
मालवेयर कभी न इनस्टॉल करूं।
कूकीज करता रहूँ नित् प्रायः साफ,
प्रोसेसर पे कभी न ओवरलोड करूं।
हिस्से बना लूँ दिल की हार्डडिस्क में कई,
कुछ डाटा उनमें प्राइवेट भी सेव करूँ।
सोचता हूँ...
जुड़ जाऊँ नेटवर्क से अपने यारों के,
फिर चैटिंग उनसे दिन रात करूं।
एक क्लिक पर हो जाये सब काम मेरे,
मैक्रो में कुछ ऐसा ईजाद करूं।
मेलोडी सॉन्ग बजते रहे बैकग्राउंड में,
आनन्द जीवन में ऐसा प्राप्त करूँ।
सोचता हूँ...

नाम- रविन्दर
ट्रेड- सीएसए
बैच–**द्वितीय**

कविता

कल एक झलक जिंदगी को देखा
वो राहों पे मेरी गुन गुना रही थी
फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी
एक अरसे के बाद आया मुझे करार
वो सहलाकर मुझे सुला रही थी
हम दोनों क्यूँ खफा है एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी
मैंने पूछ लिया क्यों इतना दर्द दिया कम्बख्त तूने
वो हँसी और बोली मैं जिंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

नाम- एकता
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

"हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है।"

सुमित्रानंदन पंत

पाखण्ड

धर्म के खिलाफ कोई जाए वो किसी को पसन्द नहीं
लेकिन असली धर्म क्या है वो किसी को पता नहीं
फल के पीछे सब पड़े लेकिन धर्म क्या वो किसी
को पता नहीं। गलती करने से सब डरे इसलिए
वे पीछे रहने में लगे, लेकिन गलती के बाद
सीख क्या है वो किसी को पता नहीं।
धर्म के पीछे सब पड़े, लेकिन असली धर्म क्या है
वो किसी को पता नहीं।
मुस्कुराते हुए से सब जले लेकिन मुस्कुराने के पीछे गम
क्या है वो किसी को पता नहीं। मल्टीमीडिया पे दोस्तों
के लिए सब लगे लेकिन पास के दोस्तों के लिए समय
क्या है, वो किसी को पता नहीं।
धर्म के पीछे सब पड़े, लेकिन असली धर्म क्या है वो
किसी को पता नहीं।
पूजा पाठ में सब लगे, लेकिन माता-पिता को पूजना
किसी को पता नहीं। मैं हिन्दू, मैं मुसलमान, मैं सिख,
मैं इसाई, मैं हिन्दुस्तानी, मैं पाकिस्तानी हूँ ये सभी
को पता है, पर इंसानियत का किसी को पता नहीं।
धर्म के पीछे सब पड़े, लेकिन असली धर्म क्या है वो
किसी को पता नहीं।

नाम- सोनिया
ट्रेड- इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक

बापू

बेटे की खुशी खातर खुद के
शौक मार देवे है।
खुद गरीब होके बेटे ने राजा आली
जिंदगी देवे है।
देवे है हर वो चीज जो बेटे
ने चवह है।
इस मतलब आली दुनिया में वो
मेरा बेमतलब साथ देवे है।
साथ उसका मेरी गेल मने
शेर बना देवे है।
देवे है हर कोई मने वा इज्जत जो उसने
जिंदगी में कमाई है।
भगवान ते बढ़कर मानू उसने इस
बात में ना कोई बुराई है।
हा वो मेरा बाबू है जिसने मेरी जिंदगी
चमकाई है और खुद की पहचान न मेरी
पहचान बनाई है।

नाम- सुमित कुमार
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

बेरोजगारी

भारत से मैं आया हूँ, न काम है न वक्त है
प्रवीन हैं नाम मेरा, मिजाज थोड़ा सख्त है।

डिप्लोमा डिग्री और प्रशिक्षण भी लिया है मैंने
था पढ़ने में होशियार,डिवीज़न भी फर्स्ट है।

कहा किसी ने फ्रेशर और अनुभवदीन
भला हो कैसे ये अनुभव, इतना मेरा कष्ट है।

एक और कोशिश करते है, सरकारी फार्म भरते है
सिफारिश भी हो पैसा भी हो, दिखता यहाँ स्पष्ट है।

ना निजी न सरकारी, उम्र बीत गई अब सारी
हो गए हो ओवरऐज, अब कहता कम्प्यूट दुष्ट है
भारत से मैं आया हूँ, न काम है न वक्त है।

नाम- प्रवीन कुमार
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

समय

समय हँसाता भी है,
समय रुलाता भी है,
समय बहुत कुछ सिखाता भी है,
समय की कीमत जो जान ले
वही मंजिल को पाता है,
खो देता है, जो समय को
वो जीवन भर पछताता है,
क्योंकि गुजरा हुआ समय
वापस लौटकर कभी नहीं आता
तो मैं इसलिए कहता हूँ
कि रात नहीं ख्वाब बदलते है,
मंजिल नहीं कारवां बदलता है,
जज्बा रखो जितने का
क्यूंकि किस्मत बदले या ना बदले
पर वक्त जरूर बदलता है,

नाम- अजय कुमार
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

कविता

अब कौन रोज़-रोज़ ख़ुदा ढूंढे,
जिसको ना मिले वही ढूंढे..।

रात आयी है, सुबह भी होगी,
आधी रात में कौन सुबह ढूंढे..।

ज़िंदगी है जी खोल कर जियो,
रोज़ रोज़ क्यों जीने की वजह ढूंढ़े..।

चलते फिरते पत्थरों के शहर में,
पत्थर खुद पत्थरों में भगवान ढूंढ़े..।

धरती को जन्नत बनाना है अगर,
हर शख्स खुद में पहले इंसान ढूंढे..!

नाम- हीना बृजवाल
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

हार

सपने देखे कुछ लोगों ने,
कितनो से वो भी न हो पाया,
हिम्मत है कि तुम सोच रहे,
डरते नहीं कठोर वास्तविकता से।
कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनों को टाल गए।
सपनों की सच करने की मेहनत,
कितनो से वो भी न हो पाया,
तुम जान लगाकर डटे हुए,
बाधाओं से अबतक डरे नहीं।
कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनों को टाल गए।
परिणाम आए तो हार स्वीकारना,
कितनो से वो भी न हो पाया,
तुम भी अगर हारे तो चिंतित न होना,
दुबारा प्रयास करने से डरना नहीं।
क्यूंकि कुछ डर के मारे हार गए,
अपने सपनों को टाल गए।

नाम- प्रिया भारती
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

रिश्तें

आशाएँ ऐसी हो जो
मंजिल तक ले जाए,
मंज़िल ऐसी हो जो
जीवन जीना सिखा दे,
जीवन ऐसा हो जो
रिश्तों की कदर करें,
रिश्ता ऐसा हो
जिस पर नाज हो
कल जितना भरोसा था उतना ही आज हो,
रिश्ता सिर्फ वो नहीं जो गम या खुशी में साथ दे,
रिश्ता वो है जो अपनेपन का एहसास दे।
अच्छे रिश्तों को वादों और शर्तो की जरुरत नहीं होती,
बस दो खूबसूरत लोग चाहिए जो एक निभा सकें और
दूसरा उसे समझ सकें।

नाम- प्रिशिका बिष्ट
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

सरल होकर ही सभी समस्याओं का हल संभव

सादगी व सरलता वह प्रकाशपुंज है, जिसके माध्यम से हम सब कुछ देख सकते है। हिंसा, क्रूरता, ईर्ष्या, और द्वेष किसी विकृत मन के घोतक नहीं, बल्कि हमारी नैतिक व्यवस्था के घोतक है। वर्तमान दुखों एवं विपत्तियों के अनेक कारण है, जिनमें एक मुख्य कारण 'समस्याओं से दूर भागना' है। आज मनुष्य का जीवन स्वयं एक समस्या बनकर रह गया है। मनुष्य असाधारण रूप से समस्याओं में उलझा हुआ है। असहिष्णुता, शासन करने की शक्ति का लालच, शत्रु को हराने की संकीर्ण ख़ुशी और विदेशी संस्कृति व सभ्यता के लिए कभी न खत्म होने वाली चूहा-दौड़ ने पहले से ही मनुष्य के जीवन को जटिलता और भ्रम से बाँध दिया है। वर्तमान समय में शक्ति, भय, झूठ एवं कठोरता मानव जीवन की अनुभूत वास्तविकताएं प्रतीत होती है। सत्य, प्रेम, अहिंसा और नैतिक मूल्य डगमगा रहे है और घट रहे है। ऐसे में अपने क्षुद्र अहंकार का त्याग करके मनुष्य सरलता व सादगी प्राप्त कर सकता है। इसके बिना कोई भी अपने अन्दर (मित्रता, करुणा और प्रसन्नता) नहीं जगा सकता। यदि हम सरल नहीं है, तो प्रकृति के आंतरिक संदेशों के प्रति संवेदनशील नहीं हो सकते। ओजस्विता की आभा, समाज, शासन करने की शक्ति और धर्म से जुडी समस्याएं आपस में इस कदर जुडी हुई है कि उन्हें सरल होकर ही हल किया जा सकता है। किसी भ्रमित व्यक्ति की तुलना में एक साधारण व्यक्ति की टिप्पणियां अधिक सही और तर्कपूर्ण होती है। इस समस्याओं को देखने व समझने के लिए एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है और वह सरलता से ही प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए हमें 'स्वयं' को यानी आंतरिक यात्रा करनी होगी। सरलता किसी रोल, मॉडल, आदर्श, और मूल्य रूप से जुड़ जाना मात्र नहीं है अपितु यह एक सहज व स्वाभाविक रूप से प्रकट होने वाला गुण है। एक काव्यात्मक प्रेरणा है। यह तभी आती है, जब हम वास्तव में सांसरिक भौतिक वस्तुओं के लालच से पीछे हट जाते और 'स्वयं' के बारे में वास्तविकता को समझने के लिए खुद को मोड़ लेते है।

आमतौर पर लोग सरलता को भौतिक चीजों से जोड़कर बाह्य प्रदर्शन के रूप में देखते है। जबकि वास्तविकता और सहज सरलता अंदर से ही आती है। सरल बनना कोई बड़ी बात नहीं, पर समस्या यह है कि हम सरल तो रहना चाहते है, किन्तु संवेदनशील नहीं। हम अंदर से तब सरल हो सकते है, जब उन असंख्य बाधाओं, अवरोधों, लगाओं और इच्छाओं को समझना शुरू कर दें। जिनसे हम बंधे हुए है। अंदर से हम एक कैदी है, लेकिन बाहर से साधारण दीखते है। असल में हम स्वयं निर्मित जेल में कैद है। अंदर से हम अपनी ही परंपराओं, मान्यताओं और आदर्शों में कैद है। जबतक हम अंदर से पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं होंगे, सरल होना असंभव है। इसलिए हमें सरलता या सादगी की यात्रा अपने अंदर से शुरू करनी होगी।

नाम-वैष्णव कुमार गौतम
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

शिक्षक- समाज की नींव

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना जो सिखाए।
मात-पिता से पहले जो आता,
जीवन में सदा आदर जो पाता।
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को वह भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में जो सदा गंभीर।
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता।
बच्चो के जीवन को जो सफल बनाता,
जो समाज का निर्माण कराता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

नाम- मोहम्मद तालिब
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

कविता

तू अपनी ख़ूबियां ढूंढ़,
कमियां निकालने के लिए लोग है।

अगर रखना ही है कदम तो आगे रख,
पीछे खींचने के लिए लोग है।

सपना देखने ही है तो ऊँचे देख,
नीचा दिखाने के लिए लोग है।

अपने अंदर जुनून की चिंगारी भड़का,
जलने के लिए लोग है।

अगर बनानी है तो यादें बना,
बातें बनाने के लिए लोग है।

प्यार करना है तो खुद से कर,
दुश्मनी करने के लिए लोग है।

नाम- आरती यादव
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

<u>तुम्हे भ्रष्टाचार मिटाना है</u>

उठो वीर जवानों इस देश में,
तुम आगे कदम बढ़ाओं
देखते हो तुम किसको
तुम भ्रष्टाचार मिटाओं
आगे हो तुम्ही, तुम्ही को देश चलाना है
भ्रष्टाचार को करके खत्म, तुम्हे भ्रष्टाचार मिटाना है।

देखो उन वीरों को
जिसने हमें किया आजाद
आज तुम्ही वो वीर हो
कर दो भ्रष्टाचार बर्बाद
भ्रष्टाचार को करके खत्म
तुम्हे ये जग बचाना है
भ्रष्टाचार को करके खत्म तुम्हे
भ्रष्टाचार मिटाना है।

सोचो मत इस बात की
ये मिट ना पयेगा
इसके खिलाफ तुम छेड़ो जंग
वरना तुम्हे भी चुंग जायेगा
अभी से इसके खिलाफ तुम्हे, कलम उठाना है
भ्रष्टाचारी को करके खत्म, तुम्हे भ्रष्टाचार मिटाना है।

नाम- अमर नाथ
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

पढ़ाई की राह में

पढ़ाई की राह में यहां आना पड़ा,
घर छोड़कर भी हमें मुस्कुराना पड़ा।

खेल-कूद वाले शाम जा रहे है सब,
इसका गम अब दिल में छिपाना पड़ा।

याद आता रहा घर-बार हर रोज,
हंसकर हॉस्टल में सालभर बिताना पड़ा।

हो गया इस कदर बेखबर मैं भी,
पढ़ाई में मन को लगाना पड़ा।

पढ़ाई की राह में यहां आना पड़ा,
घर छोड़कर भी हमें मुस्कुराना पड़ा।

नाम- अमर नाथ
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

शीर्षक- विद्यार्थी का संघर्ष

रोते सहमे घबराते हुए
रखा पहला कदम विद्यालय में,
माँ की छाया छोड़ चल पड़े,
हम विद्यार्थी जीवन के कार्यालय में।
टीम-टीम चमकती आँखे,
मीठी सी प्यारी बातें थी,
शिक्षक ने पीठ थपथपाई,
विद्यार्थी जीवन की पहली राह दिखलाई।
बदला हुआ सा जीवन था,
मन में उल्लास नहीं कम था,
प्राथमिक स्तर बस जानो तो,
विद्यार्थी जीवन का उद्यगम था।
घर और विद्यालय के बीच,
प्रसन्नता भरा आलम था,
चल पड़े हम अगले स्तर की ओर
यहाँ की थी व्यथा घनघोर।
नाना विचारों ने मन को घेरा था,
अनुशासन का कठोर पहरा था,
जाने कितनी लाचारी थी,
सामने परीक्षा की तैयारी थी।
परीक्षा का विचार दिल दहलता था,
बाहरी चकाचौंध मन बहकाता था,
फिर से शिक्षक ने जादू फैलाया,
हमको सुंदर भविष्य दिखलाया।
बोले इस पथ से ना भागो तुम,
नींद चैन को त्यागो तुम,
कौए सी चेष्टा और बगुले सा ध्यान लगाओ,
घर की चिंता छोड़, अल्पहार पे आओ।

मंजिल को मन में ठानों,
बाधाओं को तिनके समान जानो,
इस मूलमंत्र से जीवन का शंखनाद करो,
सफलता पूर्वक बैतरणी पार करो।
आज जीवन के इस शिखर पर खड़े हो,
पीछे पलट के मैंने देखा जो,
विद्यार्थी जीवन की झलक दी दिखलाई
आँखे मेरी जाने क्यों भर आई।
आज जैसा की मेरा जीवन है
दिखे इसमें विद्यार्थी जीवन की परछाई।

नाम-सुमित द्विवेदी
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

कविता

मैं ठहरा सख्त मिजाजी, मंजिल की मुझे तलाश है
मेरा परिचय ऐसा है कि मेरा नाम विकास है,

मेरा नाम विकास अलीगढ का रहने वाला
बनना तो अनुदेशक ही शौक है ऐसा पाला

एक वर्ष का मेरा प्रशिक्षण
कठिन परीक्षा कठिन है ये क्षण

एक वर्ष का प्रशिक्षण जो लगता जैसे वनवास है
मेरा परिचय ऐसा है कि मेरा नाम विकास है।

फिर भी इस कठिन चुनौती को पार तो है करना
क्यूंकि मेरा प्रण है खुद से अनुदेशक है बनना

लिया ऋण जब मैंने तब किस्मत ने लगाया जोर
उठा बैग और निकल पड़े हम देहरादून की ओर

हमारे टीचर को हम पर पूरा विश्वास है
मेरा परिचय ऐसा है कि मेरा नाम विकास है।

नाम- विकास कुमार
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

ऐ जिन्दगी

बड़ी घुमक्कड़ प्रकृति हमारी
चला घूमने दुनिया सारी
घटना घटी एक संग मेरे तुम्हे बताऊँ भाई।
देहरादून था आना मुझको, पहुंच गया बम्बई।
बैठ समंदर के तीरे में, पल पल बस में ये सोचू
करू जतन में, करू कांड क्या, कैसे में वहां पहुँचू।
फिर से जागे भाग्य हमारे, ट्रांसफर राउंड था आया
उसमे प्रथम प्रयास में, मैंने देहरादून को पाया
बिस्तर और पलंग समेत कर भागा जल्दी-जल्दी
चलो वही अब मस्त कटेगी देहरादून की सर्दी
भई- एसी का टिकट कटाकर बैठ मौज के साथ
पहुंच देवभूमि में मैंने ली रहत की सांस
झुका के सर उठा के कर मैं बोलै जै-जै शंभु नाथ
मोह भंग हो गया हमारा देख यहाँ के हाल।
आते ही पहले हफ्ते में झड़ गए आधे बाल।
मार के आधे शौक हमारे अब हमने यहाँ थाना है
हो जाए चाहे जो भी, सर्टिफिकेट लेकर ही जाना है
देख सिलेबस देहरादून का, मुझसे कुछ न होये
सारे हो गए पास, मगर अपना हो गया मोये-मोये।

नाम- अभिषेक कुमार मौर्य
ट्रेड- सीएसए

एक और स्वर्णिम पन्ना छोटी काशी मण्डी के इतिहास में

बहती विपाशा सी है शिवरात्रि
सींचे है युगों से जैसे
जीवनदायिनी ब्यासा ने
कितनी सभ्यताओं के पेट,

पुष्पित पल्लवित घाटियों को
फूल माला की मानिद बाधा है एक सूत्र में
सुख-दुःख की गठरी लिए
ठीक वैसे ही सजों रही है शिवरात्रि
कितनी ऐताहासिक परंपराओं को
पकड़ रखा है आँचल मनोहर
रीती-रिवाजों लोक जीवन का,

आ जाती है प्रतिवर्ष शिवमय होकर
याद दिलाने शहर व सुंदर गांव से
पहाड़ो से उत्साहित इन्द्रधनुषी रंगो
से सजें देव रथों पर सवार होकर
मेरे भोले-भाले ग्रामीणों के दिलों में बसकर
चकाचौंध में सादेपन की मिसाल
मिट्टी से जुड़ाव का उदाहरण बनकर,

होता है शोभायान माधोराय का विहंगम
प्रागण, राजमहल विदाई लेती शीत ऋतु
के बाद कोमल हरियाली के शैशव व
बुलबुल की मधुर लोरियों संग,

अन्तिम चौहटे की जात्र का देवी देव महामिलन दे जाता है
सुख समृद्धि के भर-भर आशीष दुनिया को,
उमड़ते-घुमड़ते मिश्रित भावों संग,

मन्नतों व कृतज्ञता में झुकते शीश,
ख़ुशी और जुदाई विदाई में नम
आँखे लिए शिवरात्रि दर्ज क्र लेती है,
सजों लेती है वक्त कभी न लौटने
वाला, एक और स्वर्णिम पन्ना
छोटी काशी मंडी के इतिहास में।

नाम- ममता शर्मा
ट्रेड- सीएसए बैच- द्वितीय

<u>खुशियों का खजाना</u>

मेरे पास भी एक खजाना था,
जब मेरे बचपन का जमाना था,
ना सुबह शाम, फिकर थी,
ना घर का कोई ठिकाना था,
खेल के लिए, थकान वजह न थी, पर
स्कूल ना जाने का रोज नया बहाना था,
रात को दीदी की, रोज नई कहानियां थी,
कहानियों में गुडे-गुड़ियों का तराना था
जितनी भी सर्दी, गर्मी बारिश हो,
हमारे लिए हर मौसम सुहाना था
चाँद-तारे छुने की ख्वाहिश तो थी,
पर "श्रवण" मस्ती में दिवाना था,
ना रोने की, कोई वाजिद वजह थी,
ना खिल-खिलाने के लिए बहाना था
साल दर साल, क्यों सब खत्म हो गया ?
बचपन का जमाना, खुशियों का खजाना था।

नाम- श्रवण कुमार
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

कविता

“शिक्षक का सागर, ज्ञान की धारा,
दिलो को छू जाता, विद्या का सारा।

ज्ञान का पंथक, प्रेरणा की बूंद,
शिक्षक है वो सितारे, रौशनी में हर समय।

उजागर होते मन का कोना कोना,
शिक्षा के सूरज, ज्ञान की रौशनी बोना।

समर्थन का सहारा, दिशा का प्रवाह,
शिक्षक है आदर्श, उज्जवल करते जीवन का पद।

शिक्षा के क्षेत्र में, हर पल योगदान,
शिक्षक है मिसाल **अद्वितीय** अनुभव का भण्डार।

ज्ञान की ओर प्रेरित, हर छात्र का मार्गदर्शन,
शिक्षक है मास्टरपीस, विद्या का सच्चा स्वरुप।

नाम- दानिश खान
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

“क्या पाया क्या खोया”

पाया क्या खोया क्या पता नहीं
जिन्दगी में कठिनाइयों के अलावा मिला क्या ?
“पता नहीं”
जो मिला उस से खुश है क्या ?
“पता नहीं”
क्या ये मुश्किलों का सूरज डूबेगा ?
“पता नहीं”
कहानियों का ये बादल बरसेंगे या टलेंगे ?
“पता नहीं”
क्या तुम्हारे कोशिशों की ये धारा रुकेगी या
“पता नहीं”
क्या इच्छाओं का अंत होगा या उदय ?
“पता नहीं”
तुम घायल हो चुके हो पर इस वक़्त तलवार छोड़ोगे....छोड़ोगे क्या... ?
“पता नहीं”
तो उठो ना लड़ो ना
ये परेशानिया तुम्हारा क्या बिगाड़ेगी थोड़ा थकाएंगी
पर तजुर्बा भी तो सिखाएगी।

समय तेरा सही है

समय क्या तेरा सही है, क्या हतास तेरा सही है
तू गुजर रहा मुश्किलों से
क्या अभी रोना सही है।
माना विपदा आई है पर साथ हिम्मत भी तो लाई है
तू ही अगर हारेगा संसार कैसे सम्भालेगा।
मुश्किलों का समय जाएगा फिर खुशियों का मौसम आयेगा।
माना अभी समय खराब है
पर लड़ना ही तो तेरा काम है।
तू ही अगर घबरायेगा औरों क्या मुँह दिखाएगा।
समय जब खराब हो मुस्कुरा कर भगवान का नाम लो।
चुनौतियां तो आयेगी मनोबल तेरा गिराएगी,
पर हारेगा ये तुमको मंजूर नहीं।
और मुश्किलों में जो मुस्कुराते है वही तो योद्धा कहलाते हैं।

नाम- देववती
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

संघर्ष

मानव जीवन संघर्षो से घिरा हुआ है
फिर चाहे वह संघर्ष कैसा भी हो?
उन संघर्षो के बीच व्यक्ति कभी
सफल भी होता है और कभी असफल भी।
लेकिन अपनी असफलता से व्यक्ति जो सीखता है
वह उसकी सफलताएँ कभी नहीं सिखाती
फिर चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो।
परिणामस्वरुप हमें अपनी उन कमियों को दूर
करना चाहिये जिसके कारण आप असफल हुए।
सफलता वक्त माँगती है
आप किसी भी चीज को जितना वक्त दोगे
वो आपकी होगी।

नाम- पवन कुमार गौतम
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

मेरे पिता

मेरा पूज्यनीय, मेरा भगवान है पिता।
मेरा अभिमान, मेरा स्वाभिमान है पिता।
जन्म दिया है, अगर माँ ने।
तो पालनहार है पिता।।

कभी कंधे पे बिठाकर, मेला दिखाता है।
तो कभी घोड़ा बनकर, घुमाता है पिता।
माँ अगर पैरों पर, चलना सिखाती है।
तो पैरों पर, खड़ा होना सिखाता है पिता।

मेरा साहस मेरी इज्जत, मेरा सम्मान है पिता।
मेरी ताकत मेरी पूँजी मेरी पहचान है पिता।
घर की एक-एक ईंट में शामिल उनका खून-पसीना।
सारे घर की रौनक सारे घर की शान है पिता।

तुमसे ही आरम्भ मेरा, तुमसे ही अंत है पिता
मेरा जीवन तुम्हारी सेवा में बीते, यही कामना है
बारम्बार तुम्हें।
मेरा प्रणाम है पिता।

नाम- शिवम
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

कंप्यूटर पर कविता

आज विश्व में कंप्यूटर की माया बड़ी निराली है
इंटरनेट से जुड़ा जमाना, सब कामों में आसानी है
अखबार पढ़ें कंप्यूटर पे,
देखें दुनियाँ सारी
देश - विदेश में भ्रमण कर लें
कंप्यूटर से ज्ञानी
गीत-संगीत, धर्मक्षेत्र, सब
कंप्यूटर में आए
दादा -दादी कंप्यूटर पर
अपना ज्ञान बढावैं
इंटरनेट से जुड़ा जमाना सब कामों में आसानी है।
नई क्रांति का तोहफा है
इसमें नहीं है कोई हानि
फिर भी कई ईजाद तरीके, कुछ
लोगों पर पड़ जा भारी
अच्छी आदत से हित सबका
पढी गुरु की वाणी है
इंटरनेट से जुड़ा जमाना सब कामों में आसानी है।

नाम- श्रद्धा श्रीवास्तव
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

चैट जीपीटी क्या है ?

चैट जीपीटी ओपन एआई द्वारा बनाया गया एक कृत्रिम बुद्धिमता आधारित चैटबॉट है। यह इंसान की तरह सवालों का जवाब दे सकता है और अपनी गलतियों को स्वीकार भी कर सकता है; साथ ही, गलत धारणाओं को चुनौती दे सकता है और अनुचित अनुरोधों को अस्वीकार कर सकता है।

चैट जीपीटी में का अर्थ जनरेटिव प्री-ट्रेन्ड ट्रांफॉर्मर -3 से है। यह एक तरह का कम्प्यूटर लैग्वेज मॉडल है, जो इनपुट के आधार पर इंसान की तरह पाठ करने अथवा जवाब देने के लिए गहन शिक्षण तकनीको पर निर्भर करता है।

चैटबॉट अर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (AI) का एक रूप है, जिसका उपयोग मेसेजिंग ऐप में किया जाता है। यह टूल ग्राहकों को सुविधा प्रदान करता है। चैटबॉट दो तरीकों में से एक में काम करते है-मशीन लर्निंग के जरिये या निर्धारित दिशा-निर्देशो से उदाहरण -फेसबुक सहायक।

जनरेटिव एआई

जनरेटिव अर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (एआई) एक ऐसा एआई है, जो नया डेटा अथवा सामग्री बना सकता है, जो इंसान द्वारा निर्मित सामग्री जैसा हो;

चैट जीपीटी जैसे -लेख, चित्र, संगीत, कोड इत्यादि। और बार्ड इसी के उदाहरण है।

चैट जीपीटी का उपयोग

- इसका उपयोग वास्तिविक दुनिया के अनुप्रयोगों; जैसे-डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन सामग्री निर्माण,
- ग्राहक सेवा प्रश्नो का उत्तर देने के लिए किया जा सकता है।
- इंसान के बोली की नक़ल कर सकता है और कई तरह के सवालों का जवाब दे सकता है।
- यह ई-मेल, सीवी और कॉलेज निबंध व होमवर्क का स्थान ले सकता है अर्थात ये काम यह स्वंय कर
- सकता है।
- इसका उपयोग कोड लेखन (सॉफ्टवेयर कोडिंग) के लिए भी किया जा सकता है।

गूगल का बार्ड

बार्ड डॉयलॉग एप्लीकेशन के लिए भाषा मॉडल पर आधरित है। यह चैट जीपीटी की तरह ही गहन, संवादात्मक और निबंध की तरह के विस्तृत जवाब दे सकता है। इसे ट्रांसफार्मर तकनीक पर बनाया गया है, जो चैट जीपीटी और अन्य एआई वाट्स में भी उपयोग हुई है।

ट्रांसफार्मर तकनीक की शुरुआत Google द्वारा की गई थी और इसे वर्ष 2017 में ओपन सोर्स बनाया गया था। ट्रांसफार्मर तकनीक एक न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर है, जो इनपुट के आधार पर भविष्य की जानकारी देने में सक्षम है। इस तकनीक का उपयोग मुख्यतः प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कंप्यूटर विजन तकनीक में किया जाता है।

चैट जीपीटी और बार्ड में अंतर

- चैट जीपीटी की शुरुआत सटीकता के साथ कठिन से कठिन से सवालों का जवाब देने की अपनी क्षमता
- है, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमी सम्भवतः यह है कि यह है कि यह इंटरनेट से वास्तिविक समय की जानकारी तक पहुंच नहीं रखता है।

- माइक्रोसॉफ्ट ने इस कमी में सुधार के साथ Bing का एक नया संस्करण लाँच किया, जो द्वारा संचालित है।
- गूगल का बार्ड एक प्रतिक्रिया को एकल करता है और सवालों के लिए अलग-अलग जवाब दिखता है।

भारत का भाषिनी टूल

- भाषिनी – भारत के लिए भाषा इंटरफ़ेस (BHASHINI-BHASHA Interface for India) भारत का आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस द्वारा संचालित भाषा अनुवाद का एक प्लेटफार्म है।
- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईआईटी मंत्रालय का AI टूल भाषिनी देश के किसानों को विभिन्न (BHASHINI) सरकारी योजनओं के बारे में जानने में सहायता हेतु चैट जीपीटी द्वारा संचालित व्हाट्सएप का कार्यरत है।
- यह चैटबॉट भारत की ग्रामीण और कृषक आबादी को सरकारी योजनाओं तथा सब्सिडी आदि की जानकारी देगा।
- इससे भारत के बहुत से किसानों व छात्रों को मदद मिलेगी, जो स्मार्टफोन पर टाइपिंग नहीं कर सकते है।

“संकट और गतिरोध जब होते हैं तो उनसे कम से कम यह लाभ होता है, कि वे हमें सोचने के लिए मजबूर करते है।”

जवाहरलाल नेहरू

जावा का इतिहास

जावा एक ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड लैंग्वेज है। जावा के आविष्कारक जेम्स गोसलिंग और उनके साथियों ने 1991 में सन माइक्रोसिस्टम्स में काम किया था। जावा का असली नाम ओक था लेकिन बाद में इसके नाम बदलने की चर्चा की गई लेकिन कोई नाम तय नहीं कर पाया लेकिन फिर ओक टीम कॉफी पीने के लिए चली गई और उन्होंने ओक का नाम जावा रख दिया।

जावा लैंग्वेज को बनाने वाली टीम को ग्रीन टीम के नाम से जाना जाता है। जावा को जेम्स गोसलिंग द्वारा सन 1995 में विकसित किया गया था इसलिए जेम्स गोसलिंग को फादर ऑफ जावा के नाम से भी जाना जाता है। यह प्रोजेक्ट यूनिसिपल टीम द्वारा 90 के दशक में शुरू किया गया था।

जावा के प्रयोगों को विशिष्ट रूप से बाईटकोट (क्लास फाइल) के लिए संकलित किया जाता है जिसे किसे भी कंप्यूटर आर्किटेक्चर वाले किसी भी जावा वर्चुअल मशीन पर चालू किया जा सकता है।

नाम- शिखा ठाकुर
ट्रेड- सीएसए

हॉस्टल वाली यारी

जिंदगी ने नया मोड़ लाया था,
हर कोई घर छोड़कर आया था,
मिल रहे थे सब होकर अनजान जैसे
इस हॉस्टल ने गोरा को अपना बनाया था,
हर रोज एक नई लड़ाई होती थी,
कभी रहने में तो कभी सोने में परेशानी होती,
मगर साथ मिला जो उन यारों का
हर लड़ाई में भी खुशिया नजर आती थी,
मिले जो खबर तुझे छोड़ने की,
हर पल आये आँख में बूंद आंसू की,
ये दिल बसता है वहाँ,
जहाँ खुशी है तो कभी गम,
जिंदगी के मजेदार लम्हे वहाँ बिताके आये है हम।

नाम- विकास
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

"हिन्दी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है. उसे हम सबको अपनाना है।"

लालबहादुर शास्त्री

शीर्षक- मेरी पहली कविता- वक्त

जीवन उस नदी का जिसका किनारा न जाने कौन-सा,
पर बहती वो जाए न जाने वो रास्ता कौन-सा।

हर दिन में वो आशा हो आज न निराशा हो,
पर बदलते दिन में न जाने निराशा कब आशा हो।

हर नए वर्ष पर जिंदगी में संघर्ष हो,
कुछ पल में जमी हो तो कुछ पल में अरश हो।

वक्त लगता है कुछ पाने में ए- मुसाफिर,
वो उपलब्धि ही क्या जिसमे वक्त न खर्च हो।

न भूले वो दिन जिस दिन में ख़ुशी हो,
अपनाए वो गलती जिस गलती में संकेत हो।

इस वक्त को अपनी मुट्ठी में रख ए- दोस्त,
न जाने ये वक्त कब रेत हो।

नाम- स्वाति
ट्रेड- सीएसए
बैच- **द्वितीय**

शहर की पसंद

शहर को
चाहिए
अब घर जैसे लोग
हारे हुए लोगो को भी
पसन्द करने वाले लोग
इस शोर में मौन लपेटे
शहर को
चाहिए
रंग भरने वाले लोग
बेदम होते हुए एक खत को
रंगीन लिफाफों में भरने वाले लोग
कौन है यहाँ जो थका न हो
शहर को
चाहिए
अब घर जैसे लोग

नाम- विकास
ट्रेड- सीएसए
बैच- प्रथम

“उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये”।

स्वामी विवेकानंद

गतिविधियाँ

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में राष्ट्रीय खेल दिवस साप्ताहिक समारोह
दिनांक 28/08/2023 से 02/09/2023 तक
मनाया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 01/10/2023 को स्वच्छता ही सेवा अभियान 3.0 के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में सत्र 2022-2023 का द्वितीय कौशल दीक्षांत समारोह दिनांक 12/10/2023 को आयोजित किया गया ।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 31/10/2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर यूनिटी प्लेज के अंतर्गत संस्थान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा एकता की शपथ ग्रहण की गई।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 07/11/2023 को इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रम संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 10/11/2023 को महिला आत्मसुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

'जनजातीय गौरव दिवस **2023**' जागरुकता कार्यक्रम संस्थान के सभागार कक्ष में दिनांक **20.11.2023** को प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रावत जी, **NIESBUD** देहरादून ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवनी एवं संबंधित बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 22/11/2023 को जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा रोजगार मेला 30/11/2023 को संस्थान के समस्त व्यवसाय में लाइव प्रसारित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 04/12/2023 से 08/12/2023 तक हिमाचल प्रदेश के आईटीआई अनुदेशकों हेतु साप्ताहिक अल्पावधि कार्यक्रम कंप्यूटर नेटवर्किंग एंड सिक्योरिटी आयोजित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 06/12/2023 को वर्ल्ड स्किल जागरूकता कार्यक्रम एन एस डी सी द्वारा आयोजित कराया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 07/12/2023 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की महत्वता व विषय के साथ निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में NIESBUD देहरादून द्वारा दो दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम दिनांक 22/12/2023 एवं 26/12/2023 को आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 08/01/2024 को साइबर सेल देहरादून पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 24/01/2024 को जेनरेटिव ए आई जागरुकता प्रोग्राम कराया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान के द्वारा इसरो ट्रेनीज को एक दिवसीय भ्रमण दिनांक 31/01/2024 को प्रधानाचार्य श्री ज्ञान प्रकाश चौरसिया एवं श्रीमती रंजिनी कुमार प्रशिक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में किया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक सत्र 2023-24 के प्रशिक्षणरत प्रशिक्षणार्थियों द्वारा गाजियाबाद स्थित TIFAC-CENTER OF RELEVANCE & EXCELLENCE कंपनी का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण दिनांक 01/02/2024 को श्री मनीष मंमगई (प्रशिक्षण अधिकारी) एवं श्री सभाजीत सिंह यादव (कनिष्ठ सलाहकार) के मार्गदर्शन में किया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 05/02/2024 से 09/02/2024 तक हिमाचल प्रदेश के आईटीआई अनुदेशकों एवं नवल डॉकयार्ड के कर्मचारियों हेतु साप्ताहिक अल्पावधि कार्यक्रम मल्टीमीडिया एवं वेब पेज डिज़ाइन का परिचय आयोजित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 05/02/2024 से 09/02/2024 तक हिमाचल प्रदेश आईटीआई अनुदेशकों एवं नवल डॉकयार्ड के कर्मचारियों हेतु साप्ताहिक अल्पावधि कार्यक्रम कंप्यूटर नेटवर्क एंड मेंटिनेंस आयोजित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 07/02/2024 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान के नवनिर्मित पुरुष छात्रावास का वर्चुअल उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिनांक 20/02/2024 को वर्चुअली किया गया। इस अवसर पर संस्थान में डॉक्टर श्री रमेश पोखरयाल निशंक, सांसद लोकसभा श्री विनोद चमोली, विधायक श्री विजय कुमार यादव, सचिव कौशल विकास एवं सेवायोजन, उत्तराखंड, डॉक्टर श्री राजेंद्र सिंह वैज्ञानिक जी, डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक एप्लीकेशन लैबोरेट्री देहरादून व श्री हरि शंकर श्रीवास्तव, ग्रुप प्रमुख (पी पी ई जी) इसरो उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में दिनांक 04/03/2024 से 07/03/2024 तक हिमाचल प्रदेश आईटीआई अनुदेशकों हेतु सप्ताहिक अल्पावधि कार्यक्रम बेसिक पीएचपी लैंग्वेज आयोजित कर प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

संस्थान में इसरो कर्मचारियों हेतु कंप्यूटर नेटवर्किंग एंड मेंटिनेंस अल्पावधि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक कराने पर इसरो बेंगलुरु द्वारा एनएसटीआई देहरादून के समस्त प्रशिक्षण एवम् मैनेजमेंट स्टाफ हेतु प्रसंशा पत्र प्राप्त हुआ।

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष विभाग
भारत सरकार
अन्तरिक्ष भवन
न्यू बी ई एल रोड, बेंगलूरु - 560 231, भारत
दूरभाष : +91 80 2341 5474
फैक्स :

Indian Space Research Organisation
Department of Space
Government of India
Antariksh Bhavan
New BEL Road, Bengaluru - 560 231, INDIA
Tel (Off) : +91 80 2341 5474
Fax :

N Sudheer Kumar
Director, CBPO

ISRO/CBPO/ITTP/2024

January 30, 2024

Dear Gyan Prakash ji,

विषय Sub: Appreciations and compliments for completing 50 ISRO Technical Training Programme (ITTPs) at National Skill Training Institutes (NSTI) under MSDE – reg.

Wishing a Happy & Prosperous New Year 2024!

As you are aware, Indian Space Research Organisation (ISRO) and Ministry of Skill Development & Entrepreneurship (MSDE), Government of India, have joined hands through an MoU on April – 2022 for conducting ISRO Technical Training Programme for upskilling / re-skilling training of technicians / technical assistants / scientific assistants of ISRO in line with objectives of "Skill India" and "Aatmnirbhar Bharat". Subsequently, first ITTP was inaugurated by Secretary, Department of Space / Chairman, ISRO and Secretary, MSDE in August 2022 at NSTI Chennai.

It is glad to note that, within a span of 18 months, 10 NSTIs have signed agreements with ISRO and successfully conducted 51 ITTPs by imparting training of approximately 800 Technical staff from various ISRO Centres.

At this juncture, we would like to sincerely acknowledge your commitments and continued support for successfully conducting the ITTP at NSTI Dehradun.

Once again, in New Year 2024, we will look supports and co-operations from to make ISRO Technical Training Programme more effective and fruitful at NSTI Dehradun.

With warm regards,

Yours sincerely,

(Sudheer Kumar N)

Sri Gyan Prakash Chourasiya,
Deputy Director & Principal,
National Skill Training Institute, Dehradun

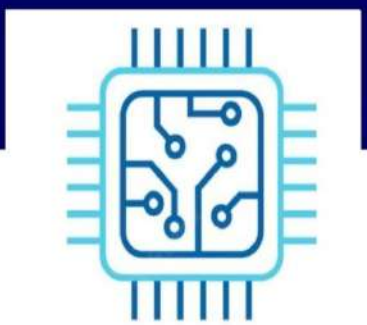

वसुधैव कुटुम्बकम्